पाठ - क्या लिखूँ? (पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी)

कार्यपत्रिका - 01

समय: 40 मिनट **पूर्णांक:** 25

Section A: वस्तुनिष्ठ प्रश्न (MCQs & Assertion-Reason)

प्रश्न 1. ए.जी. गार्डिनर के 'हैट और खूँटी' सिद्धांत के अनुसार निबंध लेखन का यथार्थ तत्व क्या है?

(क) वह आकर्षक और दुर्बोध शीर्षक जो खूँटी का काम करे।

(ख) बाहरी सामग्री जो पुस्तकालय से अनुसंधान करके लाई जाए।

(ग) लेखक के अंतःकरण में उमड़ने वाले सच्चे मानसिक भाव और आवेग।

(घ) आचार्यों द्वारा तय किए गए वाक्य विन्यास के कड़े नियम।

प्रश्न 2. अमीर खुसरो की 'अनमेली' विधा की सबसे बड़ी साहित्यिक विशेषता क्या है?

(क) क्लिष्ट संस्कृत निष्ठ सामासिक शब्दों का प्रयोग करना।

(ख) परस्पर विपरीत और असंगत विषयों को एक ही छंद में समाहित करना।

(ग) केवल समाज-सुधार के गंभीर विषयों पर ही कविता लिखना।

(घ) बाणभट्ट की तरह आधे पृष्ठ लंबे वाक्यों का निर्माण करना।

प्रश्न 3. कथन-कारण प्रश्न (Assertion-Reason):

कथन (A): तरुण और वृद्ध दोनों पीढ़ियों के वैचारिक अंतर्द्वंद्व के कारण वर्तमान काल सदैव सुधारों का काल बना रहता है।

कारण (R): तरुण भविष्य का उज्ज्वल स्वप्न देखकर क्रांति चाहते हैं और वृद्ध अतीत के गौरव की रक्षा करना चाहते हैं; वर्तमान से दोनों को असंतोष होता है।

(क) कथन A सही है, परंतु कारण R गलत है।

(ख) कथन A गलत है, परंतु कारण R सही है।

(ग) कथन A और कारण R दोनों सही हैं तथा कारण R, कथन A की सही व्याख्या करता है।

(घ) कथन A और कारण R दोनों सही हैं, परंतु कारण R, कथन A की सही व्याख्या नहीं करता है।

प्रश्न 4. निम्नलिखित का सही व्याकरणिक मिलान (Match the Following) कीजिए:

स्तंभ 'क' (सामासिक पद)
(1) निबंधशास्त्र
(2) नव-वधू
(3) पंच-पात्र
(4) धीरे-धीरे

स्तंभ 'ख' (सही समास का नाम)
(अ) कर्मधारय समास
(ब) अव्ययीभाव समास
(स) तत्पुरुष समास
(द) द्विगु समास

Section B: अतिलघु उत्तरीय प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न 5. पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी ने किन दो प्रसिद्ध पत्रिकाओं का संपादन कार्य किया था?

उत्तर - .....

.....

.....

egyanarchive

प्रश्न 6. निबंध के कौन-से दो प्रधान अंग आचार्यों द्वारा अनिवार्य बताए गए हैं?

उत्तर - .....

.....

.....

Section C: लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

प्रश्न 7. 'दूर के ढोल सुहावने होते हैं'—इस लोकोक्ति का मूल भाव पाठ के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - .....

.....

.....

.....

प्रश्न 8. "मन की स्वच्छंद रचना" वाले निबंधों की क्या विशेषता मानटेन ने स्वीकार की है ?

उत्तर - .....

.....

.....

.....

Section D: दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4 अंक)

प्रश्न 9. "न दोषों का अंत है और न सुधारों का। जो कभी सुधार थे, वही आज दोष हो गए हैं।" लेखक के इस कथन के आलोक में स्पष्ट कीजिए कि जीवन को 'प्रगतिशील' क्यों माना गया है ?

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

Section E: रचनात्मक/मूल्य आधारित प्रश्न (HOTS - 5 अंक)

प्रश्न 10. पाठ में प्रयुक्त 'भाव-विस्तार' की तकनीक का उपयोग करते हुए, "विचार-मनन-चिंतन के बिना किया गया कार्य केवल कोलाहल उत्पन्न करता है" इस केंद्रीय विचार पर एक तार्किक गद्यांश लिखिए।

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

egyanarchive

1. **उत्तरकुंजी (कार्यपत्रिका - 1)**
2. **उत्तर:** (ग) लेखक के अंतःकरण में उमड़ने वाले सच्चे मानसिक भाव और आवेग
3. **उत्तर:** (ख) परस्पर विपरीत और असंगत विषयों को एक ही छंद में समाहित करना
4. **उत्तर:** (ग) कथन A और कारण R दोनों सही हैं तथा कारण R, कथन A की सही व्याख्या करता है
5. **उत्तर मिलान:** (1) -> (स) , (2) -> (अ) , (3) -> (द) , (4) -> (ब)।
6. **उत्तर:** लेखक ने 'सरस्वती' और 'छाया' नामक दो सुप्रसिद्ध पत्रिकाओं का संपादन किया था।
7. **उत्तर:** निबंध के दो प्रधान अंग हैं—पहली 'सामग्री' (विचार समूह) और दूसरी 'शैली' (अभिव्यक्ति का ढंग)।
8. **उत्तर:** इसका अर्थ है कि दूर रहने से हमें किसी वस्तु या परिस्थिति की कठोर और कड़वी यथार्थता का अनुभव नहीं होता। ढोल के समीप बैठे लोगों के कान के पर्दे फटते हैं, परंतु दूर बैठे व्यक्ति को केवल उसकी मधुरता ही सुनाई देती है।
9. **उत्तर:** मानटेन के अनुसार ऐसे निबंधों में न तो कवियों की काल्पनिक उड़ान होती है और न विद्वानों की जटिल तर्कपूर्ण विवेचना। इनमें केवल लेखक की सच्ची निजी अनुभूति और उसके सच्चे भावों की सहज अभिव्यक्ति होती है।
10. **उत्तर:** लेखक के अनुसार समाज कभी भी स्थिर नहीं रहता ० समय बदलने पर पुरानी व्यवस्थाएँ और पुराने सुधार स्वयं दोष बन जाते हैं, जिनका पुनः नव-सुधार करना पड़ता है। दोषों और सुधारों का यह निरंतर चलने वाला चक्र ही समाज को जड़ होने से बचाता है और उसे निरंतर आगे बढ़ाता है, इसीलिए मानव जीवन को 'प्रगतिशील' कहा गया है।
11. **उत्तर (भाव-विस्तार):** मनुष्य और पशु में सबसे बड़ा अंतर वैचारिक चेतना का है। जब हम बिना सोचे-समझे, बिना मनन या चिंतन किए किसी भी कार्य में प्रवृत्त होते हैं या केवल बाहरी दबाव में लिखते/बोलते हैं, तो वह कार्य समाज में कोई सकारात्मक बदलाव नहीं ला पाता। वह केवल एक खोखला हंगामा या निरर्थक 'कोलाहल' बनकर रह जाता है। वास्तविक रचना या सुधार वही है जो आंतरिक प्रेरणा और गहन वैचारिक मंथन से उत्पन्न हो।

egyanarchive

अध्याय: क्या लिखूँ? (निबंध)

कार्यपत्रिका - 02

समय: 40 मिनट **पूर्णांक:** 25

Section A: वस्तुनिष्ठ प्रश्न (MCQs, Assertion-Reason & Match the Following)

निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों (प्रश्न 1 और 2) के सटीक उत्तर चुनिए:

"साहित्य समाज का दर्पण ही नहीं, बल्कि उसका मार्गदर्शक भी होता है। किसी भी देश का प्रगतिशील साहित्य वहाँ के युवाओं में चेतना का संचार करता है। लेखन केवल शब्दों का ताना-बाना नहीं है, बल्कि यह लेखक के आंतरिक अनुभवों की प्रामाणिक अभिव्यक्ति है। जब समाज में वैचारिक जड़ता आने लगती है, तब साहित्य ही वह माध्यम बनता है जो रूढ़ियों को तोड़कर नए सुधारों का मार्ग प्रशस्त करता है। एक उत्कृष्ट निबंध या विधा वही है जो पाठक को सोचने पर विवश करे और उसके मन में जीवन के प्रति एक नया दृष्टिकोण जागृत करे।"

प्रश्न 1. गद्यांश के अनुसार, जब समाज में वैचारिक जड़ता आने लगती है, तब कौन-सा माध्यम सुधारों का मार्ग प्रशस्त करता है?

(क) केवल आर्थिक विकास और कल-कारखाने।

(ख) समाज का प्रगतिशील साहित्य और उत्कृष्ट लेखन।

(ग) प्राचीनकाल के नियमों का हूबहू अनुकरण।

(घ) कोलाहल उत्पन्न करने वाले निरर्थक वाद-विवाद।

प्रश्न 2. गद्यांश में प्रयुक्त 'प्रगतिशील' शब्द का सही व्याकरणिक विश्लेषण क्या होगा?

(क) यह 'प्रगति' मूल शब्द में 'शील' प्रत्यय से बना विशेषण शब्द है।

(ख) यह 'प्र' उपसर्ग और 'गतिशील' मूल शब्द से बना क्रिया शब्द है।

(ग) यह एक संख्यावाची अव्यय पद है।

(घ) यह एक पुनरुक्त संज्ञा शब्द है।

प्रश्न 3. अध्याय के अनुसार, मन के स्वच्छंद भावों को अपनी सच्ची अनुभूति के साथ लिपिबद्ध करने वाली निबंध-पद्धति का जन्मदाता किसे माना जाता है?

(क) अंग्रेजी के प्रसिद्ध निबंधकार ए.जी. गार्डिनर को ।

(ख) संस्कृत के प्रकांड पंडित बाणभट्ट को ।

(ग) फ्रांसीसी विचारक और निबंधकार मानटेन को ।

(घ) पहेलियों और अनमेलियों के रचयिता अमीर खुसरो को ।

प्रश्न 4. कथन-कारण प्रश्न (Assertion-Reason Questions):

कथन (A): मानव जाति के इतिहास में वर्तमान काल सदैव सुधारों का काल बना रहता है ।

कारण (R): तरुण पीढ़ी भविष्य को वर्तमान में लाना चाहती है और वृद्ध पीढ़ी अतीत को खींचकर वर्तमान में देखना चाहती है; इन दोनों के वैचारिक टकराव से वर्तमान सदैव क्षुब्ध रहता है ।

(क) कथन A सही है, परंतु कारण R गलत है।

(ख) कथन A गलत है, परंतु कारण R सही है।

(ग) कथन A और कारण R दोनों सही हैं तथा कारण R, कथन A की सही व्याख्या करता है ।

(घ) कथन A और कारण R दोनों सही हैं, परंतु कारण R, कथन A की सही व्याख्या नहीं करता है।

egyanarchive

प्रश्न 5. पाठ में आए व्याकरणिक तत्वों के आधार पर निम्नलिखित का सही मिलान (Match the Following) कीजिए:

स्तंभ 'क' (सामासिक पद)	स्तंभ 'ख' (समास का नाम)
(1) जीवन-संग्राम	(अ) कर्मधारय समास
(2) नव-वधू	(ब) अव्ययीभाव समास
(3) भाई-बहन	(स) तत्पुरुष समास
(4) धीरे-धीरे	(द) द्वंद्व समास

Section B: अतिलघु उत्तरीय प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न 6. ए.जी. गार्डिनर के अनुसार, जब मस्तिष्क में विचारों का आवेग और हृदय में उमंग उठती है, तब लेखक को किस बात की चिंता नहीं रहती ?

उत्तर - .....

.....

.....

प्रश्न 7. पाठ में आए 'दुर्बोधता' और 'असंतोष' शब्दों में से उपसर्ग और मूल शब्द अलग करके लिखिए।

उत्तर - .....

.....

.....

Section C: लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

प्रश्न 8. महान नाटककार शेक्सपीयर को अपने नाटकों के सृजन में किस प्रक्रिया में सबसे अधिक कठिनाई होती थी और घबराकर उन्होंने अपने एक नाटक का क्या नाम रखा था ?

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 9. लेखक के अनुसार आज जो प्रगतिशील साहित्य रचा जा रहा है, कुछ समय बाद उसकी क्या स्थिति हो जाएगी और क्यों ?

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

Section D: दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4 अंक)

प्रश्न 10. "दूर के ढोल सुहावने होते हैं क्योंकि उनकी कर्कशता दूर तक नहीं पहुँचती"। लेखक ने ढोल के इस व्यावहारिक उदाहरण के माध्यम से मानव जीवन, तरुणों और वृद्धों की किस मानसिक सच्चाई को उद्घाटित किया है? पाठ के आधार पर सविस्तार समीक्षा कीजिए।

उत्तर - .....

egyanarchive

.....

.....

.....

.....

.....

Section E: रचनात्मक/मूल्य आधारित प्रश्न (HOTS - 5 अंक)

प्रश्न 11. "तरुण क्रांति के समर्थक होते हैं और वृद्ध अतीत-गौरव के संरक्षक"। आज के आधुनिक समाज में युवाओं (तरुणों) और बुजुर्गों (वृद्धों) के बीच बढ़ते 'पीढ़ीगत अंतराल' (Generation Gap) को कम करने तथा दोनों के अनुभवों में संतुलन बनाने के लिए आप क्या सकारात्मक उपाय सुझाएँगे?

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

egyanarchive

उत्तरकुंजी (कार्यपत्रिका - 02)

1. उत्तर: (ख) समाज का प्रगतिशील साहित्य और उत्कृष्ट लेखन।

2. उत्तर: (क) यह 'प्रगति' मूल शब्द में 'शील' प्रत्यय से बना विशेषण शब्द है।

3. उत्तर: (ग) फ्रांसीसी विचारक और निबंधकार मानटेन को।

4. उत्तर: (ग) कथन A और कारण R दोनों सही हैं तथा कारण R, कथन A की सही व्याख्या करता है।

5. उत्तर मिलान: (1) -> (स) , (2) -> (अ) , (3) -> (द) , (4) -> (ब)।

6. उत्तर: गार्डिनर के अनुसार, उस विशेष मानसिक स्थिति में लेखक को 'विषय' की कोई चिंता नहीं रहती; वह किसी भी साधारण विषय में अपने भाव भर देता है।

7. उत्तर: * *दुर्बोधता:* **दुर्** (उपसर्ग) + **बोध** (मूल शब्द) + ता (प्रत्यय)

- *असंतोष:* **अ** (उपसर्ग) + **संतोष** (मूल शब्द)

8. उत्तर: शेक्सपीयर को नाटकों के सृजन से कहीं अधिक कठिनाई उनके 'नामकरण' (शीर्षक देने) में होती थी। इसी असमंजस से घबराकर उन्होंने अपने एक प्रसिद्ध नाटक का नाम ही **'जैसा तुम चाहो'** (As You Like It) रख दिया था।

9. उत्तर: लेखक के अनुसार, आज का प्रगतिशील साहित्य कुछ समय बीतने के बाद अनिवार्य रूप से **अतीत का स्मारक** बन जाएगा। ऐसा इसलिए होगा क्योंकि समय परिवर्तनशील है; आज के तरुण कल वृद्ध हो जाएँगे और नए तरुणों का एक दूसरा दल आ जाएगा जो नए भविष्य के स्वप्न देखेगा।

10. उत्तर: लेखक स्पष्ट करते हैं कि ढोल के पास बैठे लोगों के कान के पर्दे फटते हैं, परंतु दूर नदी तट पर उसकी कर्कशता शांत हो जाती है और वह मधुर संगीत बन जाती है। यही नियम इंसानी जीवन पर लागू होता है:

- **दूरी का भ्रम:** दूर रहने से हमें जीवन की कड़वी यथार्थता और कठिनाइयों का तीखा अनुभव नहीं होता।
- **तरुण (युवा):** चूँकि वे जीवन के वास्तविक संघर्षों से दूर हैं, इसलिए उन्हें आने वाला भविष्य अत्यंत उज्ज्वल, मनमोहक और रंगीन प्रतीत होता है।
- **वृद्ध (बुजुर्ग):** चूँकि वे अपनी युवावस्था को पीछे छोड़ चुके हैं, इसलिए उन्हें बीता हुआ कठिन समय भी दूर से देखने पर केवल सुखद और गौरवमयी अतीत के रूप में दिखाई देता है।

11. उत्तर (मूल्य-आधारित समाधान): दो पीढ़ियों के इस स्वाभाविक अंतर (Generation Gap) को पाटने के लिए निम्नलिखित संतुलित उपाय अपनाए जा सकते हैं:

- **पारस्परिक संवाद (Communication):** परिवारों और समाज में ऐसे मंच होने चाहिए जहाँ युवा और बुजुर्ग बिना किसी पूर्वाग्रह के बैठकर बातचीत करें और एक-दूसरे के विचारों को सुनें।
- **अनुभव और ऊर्जा का समन्वय:** युवाओं के पास आधुनिक तकनीक, तीव्र ऊर्जा और भविष्य की योजनाएँ होती हैं, जबकि बुजुर्गों के पास जीवन की परीक्षाओं का व्यावहारिक अनुभव होता है। किसी भी बड़े कार्य या निर्णय में बुजुर्गों के अनुभव को मार्गदर्शक और युवाओं के जोश को क्रियान्वयन की शक्ति बनाना चाहिए।
- **सम्मान और संवेदनशीलता:** युवाओं को बुजुर्गों के अतीत-गौरव के प्रति आदर रखना चाहिए और बुजुर्गों को युवाओं की नवीन सोच व बदलाव की इच्छा को विद्रोह न मानकर सहर्ष स्वीकार करना चाहिए।

egyanarchive